The draft legislation has been circulated to the State Governments and Union Territory Administrations and the comments received from them are being examined for finalising the draft. Consultation has also been initiated with Non-Government Organisaions so that their view may also be adequately reflected in the final draft.

Pollution Caused BCIL and BCCL washeries

12. SHRIMATI CHANDRAKALA PANDEY:

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Coal India Ltd. and BCCL washeries are the main cause for pollution and environmental degradation in their areas of operation; and

(b) if so, what effective measures Government have taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) No, Sir. Re-circulation system has been introduced in washeries so that negligible discharge of effluent outside the washeries takes place.

(b) BCCL has constructed settling tanks for slurry and these are being cleaned regularly by mechanised system of slurry pond cleaning and State Pollution Control Board is regularly monitoring the operation of these measures.

प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रम

13 **श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरोला** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रमों सहित पर्यावरणीय योजनाओं में जनता को भागीदार बनाने का विचार रखती है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

पर्यावरण और वन संत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) और (ख) जी, हां। प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रमों सहित विभिन्न, पर्यावरणीय कार्यक्रमों में जनता को भागीदार बनाने के बारे में अनेक सरकारी स्कीमें हैं।

(1) स्थानीय गैर सरकारी संगठनों की मदद से विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों पर लोगों को जागरूक बनाने के लिए राष्ट्रीय पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम बनाया गया है।

(2) पारिस्थितिकीय परिरक्षण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न विधियों में स्कूली बच्चों की सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए पारिकल्पों के एक नेटवर्क की स्थापना की गई है।

(3) राष्ट्रीय वनीकरण और पारि-विकास बोर्ड द्वारा पारि-पुनरुद्धार के क्षेत्र में स्वैच्छिक संगठनों के लिए सहायता अनुदान स्कीमें कार्यान्वित की जा रही है।

(4) गंगा परियोजना निदेशालय गंगा नदी के किनारों पर, विशेषकर हरिद्वार और इलाहाबाद के कुंभ मेलों जैसे महत्वपूर्ण उत्सवों के समय, प्रदर्शनियां लगाने अथवा पौधरोपण कार्यक्रम चलाने के लिए स्वैच्छिक एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

(5) जैव विविधता और संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संबंधी ढांचा कन्वेंशन के संबंध में अनवर्ती कार्रवाई करने के लिए अधिकरियों और गैर-सरकारी संगठनों को सम्मिलित करके एक कार्य दल का गठन किया गया है।

(6) पर्यावरणीय संरक्षण प्रयासों में सभी लोगों को शामिल करने के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों से जिलों में "पर्यावरण वाहिनियां" गठित की जाती हैं :–

– वनों, वन्य जीवों, प्रदूषण, पर्यावरणीय अपक्षय तथा जीवजन्तुओं के प्रति क्रूरता से संबंधित अवैध कार्यों के बारे में सूचना देना।

– वनीकरण और पौधों के जीवित बचने संबंधी फीड बैक।

– नमूनों के संग्रहण सहित निगरानी यानीय प्रदूषण सहित परिवेशी वायु और जल का विश्लेषण।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में पर्यावरणीय प्रदूषण संबंधी शिकायतों का निपटारा करने तथा प्रदूषण उपशमन कार्यक्रमों में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों को शामिल करने के लिए तथा बाद में विभिन्न राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में इसी प्रकार के प्रकोष्ठ बनाने हेतु योजनाओं में पहल की गई है। ये गैर सरकारी संगठन प्रकोष्ठ स्थानीय स्तर पर गैर सरकारी संगठनों के पंजीकरण, प्रदूषण नियंत्रण की नई तकनीकों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए समय-समय पर संगोष्ठियों के आयोजन के लिए भी उत्तरदायी होंगे। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ऐसी जल परीक्षण किटों का निर्माण करने का प्रयास किया गया है, जिनकी एसेंबलिंग स्थानीय संसाधनों का प्रयोग करके स्थानीय लोगों द्वारा की जा सकती है। इसका प्रचार किया जा रहा है ताकि जल प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सके। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जल परीक्षण किटों को संचालित के बारे में सांगई, बड़ोदरा और नई दिल्ली में तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है।

Seizure of Wildlife Products

14. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item which appeared in the Hindustan Times of 21st November, 1994 under the caption "Wild life products worth over a crores of rupees seized" from the Safdarjung Enclave area of South Delhi which included leopard and Tiger skins, horns of Rhinoceros, Cheetal and Neelgai, etc;

(b) if so, the details thereof indicating the names of countries to which wildlife products were being smuggled and other revelations in this regard; and

(c) keeping in view that the Worldlife Fund (WWF) was organising the National Conservation Congress in New Delhi to mark its 25th anniversary in November, 1994, this seizure haul considered to be significant one and worth praising?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) Yes, Sir.

(b) On 19.11.94 in an operation carried out jointly by Delhi Police and an Inspector of the Ministry of Environment and Forests, two persons named Prem Lal and Nazir Hussain Shah were arrested near Safdarjung Enclave. They were found carrying two leopard skins. On the basis of the information furnished by them raids were carried out at three different locations namely Reghubir Nagar, Punjabi Bagh and Sadar Bazar and 16 skins of leopard, Tiger and ibex, some cured and some uncured and some mounted and 99 other articles in the